



पेपर लीक मामले में सीबीआई

कोर्ट ने असिस्टेंट प्रोफेसर

सुमन की जमानत की खारिज

देहरादून, 6 दिसंबर (एजेंसियां)।

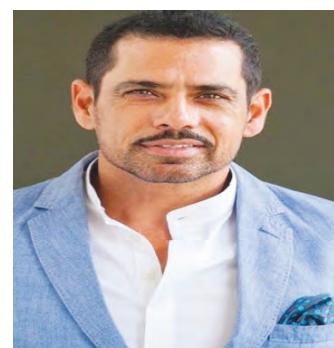
यूके-एसएसएसी पेपर लीक मामले में असिस्टेंट प्रोफेसर सुमन की जमानत खारिज सीबीआई कोर्ट ने खारिज कर दी। परीक्षा से पहले खालिद और सुमन की बातचाल दुहरा थी। सुबह 7:55 पर खालिद ने सुमन को मैसेज किया था मिली जानकारी के अनुसार खालिद ने कहा था- कि मैडम थोड़ा टाइम निकाल लो, सिस्टर का एग्जाम है। एमसीबीसॉल्व कर देन प्लॉज़। सुमन ने 8:02 पर अोके लिखकर रिप्लाइ दिया।

तथ्यों से प्रो। सुमन की पेपर लीक में भ्रमिक खुली। पेपर लीक मामले में सीबीआई की जांच की ओर जेगार संघर्ष की चाँच पंचवार तक भी पहुंची। सीबीआई ने इससे पहले बॉनी पंचवार से लौटी नौ घंटे तक भी पहुंची। इस दौरान पंचवार से सुमन चैनाम से उनके संपर्कों व अन्य जानकारियों के बारे में पूछताछ की गई। इस मामले में गत 28 नवंबर को सीबीआई सुमन चैनाम को गिरफतार कर चुकी है। सुमन ने बॉनी पंचवार को ही एपेक्षित दिया था जिसके बाद पंचवार ने प्रेस काफ़ेस कर इस परीक्षा का पेपर लीक होने का आरोप लगाया था।

# मनी लॉटिंग मामले में

## रॉबर्ट वाडा के खिलाफ सालीमेंट्री चार्जशीट

कोर्ट ने ईडी को दिया और वक्त, अगली सुनवाई 24 जनवरी को



नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। कोग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति एवं विजनेसमैन रॉबर्ट वाडा के खिलाफ दाखिल सल्लीमेंट्री चार्जशीट पर दिल्ली की राज एवं बॉनी कोर्ट में शनिवार को सुनवाई हुई। यह सुनवाई प्रवर्तन निदरशालय (ईडी) ने लंदन में रह रहे भागड़े आर्म्स डीलर संजय भंडारी से जुड़े मानी लॉटिंग मामले में हुई। ईडी ने इस चार्जशीट से जुड़े अतिरिक्त

दस्तावेज अदालत में जमा करने के लिए समय की मांग की, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया।

विशेष अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 24 जनवरी 2026 को निर्धारित कर दी है। इस केस में वाडा को आरोप वाडा 2016 में आयकर विभाग की छापेमारी से शुरू हुआ था, जब संजय भंडारी के दिल्ली विधिक परिसरों पर दूषणीय भंडारी एक विवादस्पद रक्षा सलाहकार है। उस पर डिफेंस डील्स में कमीशन लेकर विदेशी शेल कंपनियों के जरिए काले धन की मनी लॉटिंग करने का आरोप है।

ईडी की जांच के मुताबिक, भंडारी ने 2009 से 2016 के बीच यूई-रिस्टर्ट शेल कंपनियों के माध्यम से अवैध क्राईंड को यूनेस्टर जाता है। साथ ही दावा किया है कि ये भंडारी के विदेशी लेन-देन से कमाए गए अपराध की कमाई है।

## आरक्षक ने दोस्त की पत्नी को बंधक बनाकर

### किया दुष्कर्म

गवालियर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)।

गवालियर देहात के घाटीगांव क्षेत्र में

एक शर्मनाक घटना समेत आई।

यहा दरिया पुलिस कोटेल रूम में पदस्थ 34 वर्षीय आरक्षक ने अपने की हांडी वाहन के मतदाता प्रवर्तन हो सकते थे। अदालत ने 20 दिसंबर तक 'एगिट पोल' पर भी रोक लगा दी।

### 2 दिसंबर को हुई थी पढ़ले फेज की तौर पर?

महाराष्ट्र में 2 दिसंबर को स्थानीय

निकाय चुनावों के फैसले की वजह यह थी कि अगर

3 दिसंबर को नतीजे आते, तो 24

स्थानीय निकाय जहां पर वोटिंग 20

के फैसले की हांडी दे दी है। वहां दे

कि वांचे हांडीकोर्ट में शनिवार को

सुनवाई हुई। यह सुनवाई प्रवर्तन निदरशालय (ईडी) ने लंदन में रह रहे भागड़े आर्म्स डीलर संजय भंडारी से जुड़े मानी लॉटिंग मामले में हुई। ईडी

ने इस चार्जशीट से जुड़े अतिरिक्त

चुनावों के नतीजे वाडा के निर्देश दिया था।

एप्पील की वजह यही रोक?

इस चुनाव की काउंटिंग 3 दिसंबर को

होनी तय थी। लेकिन काउंटिंग स्कॉर्करों

के लिए कई उम्मीदावारों ने ही हांडीकोर्ट

में याचिका दायर की थी। इस पर

सुनवाई करते हुए हांडीकोर्ट की अगमपुर बैच के दो दिसंबर को हुए चुनावों को

मतगणना को होने वाले चुनावों की मतगणना के साथ ही 21

दिसंबर को रोक दिया था।

मुंबई, 6 दिसंबर (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र में नगर निकाय चुनाव के

नतीजों की तारीख पर बड़ा अपडेट आया है। सुमन कोर्ट ने 20 दिसंबर को दूसरे फेज की वोटिंग के बाद 21

दिसंबर को राज्य के सभी नगर निकाय

मुंबई को नतीजे आरोप दिया था।

सुमन कोर्ट ने निर्देश दिया था।

पीड़ितों ने वोटिंग के बाद आरोपी

को बंधक बनाकर

दुष्कर्म किया था।

पीड़ितों ने वोटिंग के बाद आरोपी

को बंधक बनाकर

दुष्कर्म किया था।

पीड़ितों ने वोटिंग के बाद आरोपी

को बंधक बनाकर

दुष्कर्म किया था।

पीड़ितों ने वोटिंग के बाद आरोपी

को बंधक बनाकर

दुष्कर्म किया था।

पीड़ितों ने वोटिंग के बाद आरोपी

को बंधक बनाकर

दुष्कर्म किया था।

पीड़ितों ने वोटिंग के बाद आरोपी

को बंधक बनाकर

दुष्कर्म किया था।

पीड़ितों ने वोटिंग के बाद आरोपी

को बंधक बनाकर

दुष्कर्म किया था।

पीड़ितों ने वोटिंग के बाद आरोपी

को बंधक बनाकर

दुष्कर्म किया था।

पीड़ितों ने वोटिंग के बाद आरोपी

को बंधक बनाकर

दुष्कर्म किया था।

पीड़ितों ने वोटिंग के बाद आरोपी

को बंधक बनाकर

दुष्कर्म किया था।

पीड़ितों ने वोटिंग के बाद आरोपी

को बंधक बनाकर

दुष्कर्म किया था।

पीड़ितों ने वोटिंग के बाद आरोपी

को बंधक बनाकर

दुष्कर्म किया था।

पीड़ितों ने वोटिंग के बाद आरोपी

को बंधक बनाकर

दुष्कर्म किया था।

पीड़ितों ने वोटिंग के बाद आरोपी

को बंधक बनाकर

दुष्कर्म किया था।

पीड़ितों ने वोटिंग के बाद आरोपी

को बंधक बनाकर

दुष्कर्म किया था।

पीड़ितों ने वोटिंग के बाद आरोपी

को बंधक बनाकर

दुष्कर्म किया था।

पीड़ितों ने वोटिंग के बाद आरोपी

को बंधक बनाकर

दुष्कर्म किया था।

पीड़ितों ने वोटिंग के बाद आरोपी

को बंधक बनाकर

दुष्कर्म किया था।

पीड़ितों ने वोटिंग के बाद आरोपी

को बंधक बनाकर

दुष्कर्म किया था।

पीड़ितों ने वोटिंग के बाद आरोपी

को बंधक बनाकर

दुष्कर्म किया था।

पीड़ितों ने वोटिंग के बाद आरोपी

को बंधक बनाकर

दुष्कर्म किया था।

पीड़ितों ने वोटिंग के बाद आरोपी

को बंधक बनाकर









अनुल कुमार

रचनाओं की प्रासंगिकता को बढ़ावा मिलेगा। अन्यथा उसका समाज या पाठक कोई असर नहीं पड़ेगा। आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के शिष्य रहे और अपने लिखे उपन्यासों के लिये उनसे भूरि भूरि प्रशंसा पायी।

द्विवेदी में बहुतेर उपन्यास लिखे गये और लिखे जा रहे हैं लेकिन डा रामदरश मिश्र के उपन्यासों ने प्रेमचंद के बाद पाठकों पर जो अपर्णीय क्षति है। उनकी कलम ने भाषा, साहित्य और लेखन को असर छोड़ा उसे भुलाना मुमिकन नहीं है। उसमें भारीतय समाज के इस वर्ष 15 अगस्त को उम्र के सौ वर्ष पूरे किये। 100 से अधिक पुस्तकों लिखी और दिल्ली विश्वविद्यालय सहित कई ही वक्त पर बाजार और उसकी विश्वविद्यालयों में अध्यापन कार्य किया। हिंदी के जानेमाने कवि थे तो उत्तरे ही सक्षम उपन्यासकार और कथाकार थे। उनकी रचनावली में विभिन्न विधाओं में लिखी गयी कृतियां शामिल हैं। गद्य और पद्य में अनूठी कृतियां, लिखी आत्मकथा “समय सहचर है” चार भागों में प्रकाशित है जिसे बेतरीन आत्मकथाओं में एक माना गया। अपने लिखे निवधों में कई भाषाओं के शब्दों का उपयोग कर निवंधों को रोचक बनाया। उनकी मान्यता थी कि रचनाकार के चिंतन, मनन और लेखन में जाता। रामदरश मिश्र ने इस लीक

को तोड़ा और इसके फलक को विस्तार दिया। निरंतर बदलते ग्रामीण यथार्थ और आधुनिक भारत की विडबना और शहरों की ओर कूच करते लोगों के दर्द और परेशानियों को उत्तम किया। उनकी काव्यों “उनका पहला उपन्यास है जो सन् 1961 में लिखा गया। अपनी किस्सागोई के लिये समाज, गांव और आधुनिक शहरों में आदमियत के खोने रूप के कथाओं का सबजेक्ट बनाया। वास्तव में कथोप कथन को नयी धार दे जन मानस की तडप, टीस और दर्द को कथाओं के माध्यम से शाया किया। स्टोरी टेलिंग के नये रूप को साकार किया जिससे रीढ़सं उनकी कहानियों से जुड़ उसे अपने आसपास तो कभी अपनी दास्त के रूप में देखने थाए पढ़ने लगे।

“पेंडेपुर की कहानी” गरीबी, बेवसी और अभावों से जूझते किसानों की कहानी है जो बाढ़ के बाद फसलों के ढूबने से मची त्राहि त्राहि की गाथा है। परिस्थितियों से पीड़ित लोगों के शोषण की कहानी है। जिन गांवों में देखी जाती उसे कैसे खाकों को अपनी किस्सागोई में कटा दिखायी देता है। यह चालाकियों के हवाले कर दिया रखा। जिससे पाठक प्रभावित हुए गया और भोले व, मासूम चेहरों उनके अन्य उपन्यासों में “सोसायटी का नहीं बल्कि पूरे परिवेश का है।

उसे खुदगांजी में तब्दील किया छत “और “अपने लोग

इस ट्रैजेडी को रामदरश मिश्र ने इत्यादि हैं। जिनके चरित्र विप्रण बड़ी संजीदगी से उन हालातों के में हर आदमी एक दूसरे से कटा

आत्मीयता कहीं दिखती थी है

तो पुराने मूल्यों और अदर्शों की

आया दिखायी देती है क्यों कि इसे

लोग ऐसे मतलबी हो रहे हैं जैसे अपना जनाजा खुद ले जाएंगे तामिळम् आधुनिकता में उलझे रहना चाहते हैं व्यरता है ही इनीं, खोए रहना चाहते हैं ही अवातर चार दिन की चांदनी किलकार फिरसे हंसना सिखाया, स्टॉप को उड़ाना और जीवन के बीच, चैन से जीना चाहते हैं कहते हैं // और “दिन को ही हो गयी रात – सी, लगता कालजी होगी / कविता बोली “मत लेखन के तपस्वी थे जिन्होंने उदास हो, कल फिर नवी सुबह भारतीय साहित्य को नयी उड़ान के दौरान

## रात सी जिंदगी



तारों की चमक में एक महानगर सरात का आसमान अनगिनत अनाम रंगों का प्रिंट्रिंग रात का अंधेरा सूरज के निकलते ही साथों को दफनानी रात को खुद ही दफनाने की जल्दी में सारे जीव खबरसूत सुहृत को अफरा तफरी और बदलते हुये ढूबने के लिए ही उत्तरा सा सूरज की भाग दौड़ते सारी जमा पूँजी कैसे खर्चना है जाने बिना आसमान पर घैबैद लगाते सैर करते बादल दिन के कपड़े को अलस्सुबह शुरूकर शाम को पूरा करता जुलाह सा सूरज सूरज की गम्भीर चुनीदा लोगों पर ही आक्रमण करते गर्जन जाने बिना पता नहीं कितनी देर खड़े हैं रोज नीद के धैटे चलते चलते अंजाने में कितनी दूर आ गए पूछते पाँव अब कितनी दूर और कितनी दूर।

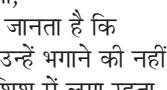
## ईमानदार

वह इतना ईमानदार कि उसके फटे कुर्ते की सिलाइयों में भी सच की चमक जमी रहती उसके जूतों के लिए तारों की चमक जमी रहती पर उसकी आँखों की रोशनी भी नई है जैसी खैरी अंधेरे कर्म में खुला एक झारेवा। मुरीदों उसके दरवाजे की बिना कुंडी की आदतन मेहमान चूपावां प्राती और उसके जूतों के लिए जीवन में खैरी अंधेरे कर्म में खुला एक झारेवा।



संजीव शुभेश

रायपुर



## रिश्ते - नाते

लोग क्या क्या बनाते और ? क्या क्या संभालते अपने लिए ? पल - पल में बदलते हैं नियत पल - पल में बदलते हैं वात हम क्या जाने लोगे के दावेपर ? बहुत कमाया था अपनों के लिए बहुत जमाया था बच्चों के लिए अपने, अपने बाबू जो नहीं समझा दिन भर भाग दौड़ करते रहे अंख भर भी निंद न की एक पल भी सुकून न मिला एक फकीर है दूजा मुसाफिर है घुमते घर - द्वारा और गली - गली वो न जाने शिश - नाते जहां पेंडे वाहन वहां उस रात बसेगा आज रात इधर ते कल जाने कहां ? उनकी कोई चाहत नहीं, कोई मंजिल नहीं वो है दुनियादीरी से आजाद ॥

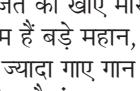
## मिथ्या और सत्य

आज मिथ्या का है प्रचलन सब इसी से हाथ मिलाय, सत्य बचाव बैठ के नैन अश्व बहाय। सत्य सदा ही प्रियता के लिए इसे तक ले पाए, इसे तक ले पाए तैयार रहे खाखाट। डॉ. संजुला शिंह जमशेदपुर मिथ्या होती वेशरप मिथ्या होती धारा, चारों में इसकी धारा, सत्य बचाव बैठ के नैन अश्व बहाय।



मनीषा नंदी

दरभंगा



वाणी में इसकी धारा, सत्य बचाव के लिए देखो आज भी कहीं पे नरियल जा रहा तोड़ा, किसी दरवाजे पे एक नींबू रखा जा रहा पूरा। ज्योतिषी भी करते कभी राजनीति में प्लानिंग, होती थी यूं डिगर पार्टी मिल जाता है डाइनिंग। वास्तुशक्ति के नाम कई बार करते डिजाइनिंग, नेताओं के घर चमक जाने तकरदस्त शार्फिंग।

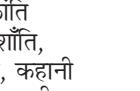
## अनंत यात्रा साहित्य की

अनंत यात्रा साहित्य की जैसे प्रकाश रसिम आदित्य की, जब जब साहित्य बोलता है। कभी खुशी, कभी गम तोलता है। साहित्य में हर युग का जवाब कौन रहा दिल अमीर, कौन रहा नवाब, कभी प्रेम पर छाया शबाब कोई प्रेम के तोड़े जाता है सुनिया की अद्भुत किताब, ग्रंथ, उपनिषद, पुण्य धर्म हिंस्यालय, साहित्यकार की अमृत धर्मी, कहीं सद्दावाना कहीं पर्याप्त धर्म धर्मी, सत्य साहित्य की अलैख, कथन, गजल, छंद, कविता दिल रूमानी साहित्य प्राचीन से प्राचीन गज खालिता है। जब जब साहित्य बोलता है।



गीता अंगवाल

हैदराबाद



किताबों में जीवन है किंवदं जीवन है जीवन का एक बर्बाद, जीवन की ठंडी छाँच है। उसके अंदर जीवन है जीवन की चमकति जीवन पर बैठकर, वह चुपचाप सोचता कि सच बोलना की ओर बढ़ता है। उसकी गम्भीरता जीवन की बोलनी है। जीवन की गम्भीरता जीवन की बोलनी है।



गजानन पाण्डेय

देश - भारत



जीवन की गम्भीरता जीवन की बोलनी है।

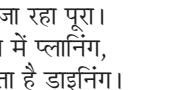
## काव्य कुंज

### कब क्या हो जाता है खास...!



संजय एम.

तराणकर, हैदराबाद



मनीषा नंदी

हैदराबाद



दर्शन शुभेश

दरभंगा



मनीषा नंदी

दरभंगा



मनीषा नंदी

दरभंगा



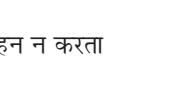
मनीषा नंदी

दरभंगा



मनीषा नंदी

दरभंगा



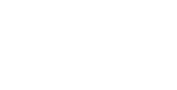
मनीषा नंदी

दरभंगा



मनीषा नंदी

दरभंगा



मनीषा नंदी



हेद्यावाद, निजामावाद, विद्याक्षापृष्ठण

# वार्ता प्राप्ति हिंदी

रविवार, 7 दिसंबर 2025 7

## इंडिगो ने उधारी के जहाज से भरी थी पहली उड़ान

पिछले 4 दिनों में इंडिगो एयरलाइंस की 100 से ज्यादा उड़ानें रह दुई हैं। हजारों देरी से चल रही हैं। देशभर के एयरलाइंस पर अफ्रातफरी का माहौल बन गया। इंडिगो रोजाना करीब 2,000 फ्लाइट्स ऑपरेट करती है और भारतीय एयरएशन मार्केट में इसकी 60 फीसदी से भी ज्यादा की हिस्सेदारी है। मौजूदा संकट शुरू होने के बाद इंडिगो का मॉकेट केवल कीरीब 21 हजार करोड़ घट गया है। इंडिगो के मेंगा एंपयर बनाए की परी कहानी और फिल्माल संकट में घिरने की कंपनी की पढ़ताल करते रहे।

1984 का साल था। दिल्ली के रहने वाले राहुल भाटिया कनाडा से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर भारत लौटे। वह कनाडा की नॉर्टेल कंपनी के साथ मिलकर भारत में टेलीकॉम बॉलिन सूखन करना चाहते थे। इसी सफेद के साथ वह भारत लौटे थे। उस दौर में भारत सरकार विदेशी टेलीकॉम के पक्ष में नहीं थी इसलिए उनका यह सफना अधूरा ही रह गया।

राहुल एक मिडिल क्लास फैमिली से थे। उनके पिता 'दिल्ली एक्सप्रेस' नाम से एक एयरलाइन टिकट बुकिंग एजेंसी चलाते थे। इस एजेंसी को उनके पिता ने 1964 में 9 पार्टनर के साथ मिलकर शुरू किया था। दिल्ली एक्सप्रेस में कुछ पार्टनर की धोखाधड़ी और पिता को बिंगड़ती तबीयत को देखे हुए राहुल की एंडी फैमिली बिजनेस में दुई।

इसी बीच 1992 में भारत सरकार ने एयरलाइंस के लिए प्राइवेट लाइसेंस देने की शुरूआत की। इस बहर से कई प्राइवेट कंपनियां एयरलाइन इंटरस्ट्री में आ रही थीं। राहुल इस इंटरस्ट्री में आना तो चाहते थे, लेकिन उन्हें इसकी हडवड़ी नहीं थी। राहुल ने वक्त लिया, बेहतर रणनीति बनाई और उसके बाद एयरएशन मार्केट में कदम रखा। एयरलाइन बिजनेस के लिए उन्हें एक पार्टनर की जरूरत थी, जो बने एनआरआई एयरक्राफ्ट का

प्रेसिडेंट और CEO बनाया गया।

इंडिगो की शुरूआत से पहले गंगवाल वर्ल्ड्स्पैन टेक्नोलॉजीज के चेयरमैन और CEO थे। यह कंपनी इंडस्ट्री को ट्रैवल टेक्नोलॉजी और इन्फोर्मेशन सर्विस देती थी। (यूएस एयरलाइंस में काम करने के साथ दार्यों और खड़े राकेश गंगवाल)



इंडिगो की शुरूआत से पहले गंगवाल वर्ल्ड्स्पैन टेक्नोलॉजीज के चेयरमैन और CEO थे। यह कंपनी इंडस्ट्री को ट्रैवल टेक्नोलॉजी और इन्फोर्मेशन सर्विस देती थी। (यूएस एयरलाइंस में काम करने के साथ दार्यों और खड़े राकेश गंगवाल)

का ऑर्डर देकर सबको चौका दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राकेश और राहुल ने सिर्फ 100 करोड़ लगाकर कंपनी शुरू की थी। ऐसे में हैरानी जायज थी, अधिक इतने कम इन्वेस्टमेंट में 100 जहाज कैसे लिया जा सकता है। पता चला कि इसके पीछे तीन दशक से एयरएशन फैल्ड में काम करते हुए इंडिगो ने उस वक्त मार्केट में एंट्री ली, जब प्लॉन की कीमत में उछाल और रुपये में भारी गिरवट थी। इस समय भारतीय एयरलाइन इंटरस्ट्री बुरे दौर से जुरु रही थी। किंगफिशर और एयरइंसेजेट जैसी कंपनी बढ़े में चल रही थीं। इंडिगो ने उधार लिया 5 लाख करोड़ के 100 जहाज 2005 में पैसेंजर पर 100 जहाज उड़ाए, उन्हें इसके साथ 40% का डिस्काउंट भी मिला। पहला जहाज उड़ाने में सिर्फ इकोनोमी क्लास की तर्ज पर साल का वक्त लगा

कंपनी को अपना पहला जहाज उड़ाने में 2 साल का वक्त लग गया। 28 जुलाई 2006 को इंडिगो को अपना पहला एयरलाइंस मिला। जिसके एक हफ्ते बाद 4 अगस्त 2006 को दिल्ली से गंगवाली के लिए इंडिगो की पहली फ्लाइट ने उड़ान भरी। यहाँ से भारतीय एयरएशन इंडस्ट्री की तबाह बदलनी शुरू हो गई। पहली उड़ान भरने के लागवाल चार साल में ही इंडिगो ने एअर इंडिया को पछे छोड़ते हुए इंडिया का अन्न-टाइम परफॉर्मेंस सिर्फ 35% रह गया, जो एयरलाइंस जैसे स्प्लाइटर्स के 82% से बहुत कम था।

2 दिसंबर को सबसे पहले दिल्ली, मुंबई और बैंगलुरु के एयरपोर्ट्स पर इंडिगो की 50-70 घरेलू फ्लाइट्स प्रभावित हुए। इस दौरान इंडिगो का अन्न-टाइम परफॉर्मेंस सिर्फ 35% रह गया, जो एयरलाइंस के लिए लगातार बदल गया। इंडिगो ने कॉर्ट कटिंग के लिए प्री खाना हाटाया इंडिगो ने पूरी तरह से फिल्ड क्लास पर फोकस किया। कंपनी ने अपने जहाज में सिर्फ इकोनोमी क्लास की सीटें लगाई। हर फ्लाइट में 180 लोगों के

बढ़ाने जा रही है। इसको लेकर कंपनी के तत्कालीन प्रेसिडेंट आदित्य घोष ने सीधे विवरण किया था। राहुल भी जल्दाजी न दिखाते हुए सावधानी के साथ आगे बढ़ाना चाहते थे। इस कारण धर्म-धर्मी दोनों के बीच असहमति बढ़ती चली गई। राकेश इंडिगो के कॉर्पोरेट गवर्नेंस से नाराज थे। उन्होंने इंडिगो की तुलना, पान की दुकान से कर दी। इसके जबाब में राहुल ने कहा था, 'राकेश ऐसा एक भी माला पश नहीं कर पाए हैं जिससे इंडिगो को नुकसान का पता चलता है। सच तो यह है कि मेरी पान की दुकान अच्छी चल रही है।' लंबे चले विवाद के बाद 2022 में राकेश गंगवाल इसे एयरलाइन के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया। दोनों के बीच दरार इस कर बढ़ गई कि राकेश ने भारत के प्रधानमंत्री ऑफिस (PMO) और सेवा को लेटर लिखकर राहुल पर इंडिगो के जरिए नियंत्रणीयों को फायदा पहुंचाने का आरोप तक लगा दिया।

## आज हर दिन इंडिगो की 2200 से ज्यादा उड़ानें

इंडिगो रोजाना 2200 से ज्यादा फ्लाइट ऑपरेट कर रही है। देश के 90 से ज्यादा डॉमेस्टिक और 40 से ज्यादा इंटरनेशनल उड़ानें हैं। कंपनी के बेडे में 417 जहाज हैं। भारत में इंडिगो का 61.4% मार्केट शेयर है। यानी हर 10 में से 6 भारतीय इंडिगो फ्लाइट से सफर कर रहा है।

कंपनी का दावा है कि वह हर 6 साल में अपने जहाज को रिटायर करती है।

2 दिसंबर को सबसे पहले दिल्ली, मुंबई और बैंगलुरु के एयरपोर्ट्स पर इंडिगो की 50-70 घरेलू फ्लाइट्स प्रभावित हुए। इस दौरान इंडिगो का अन्न-टाइम परफॉर्मेंस सिर्फ 35% रह गया,

3 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, हैदराबाद से उड़ान भरने के 82% से बहुत कम था।

4 दिसंबर को भी बैंगलुरु के लिए फ्लाइट्स के 82% से बहुत कम था।

5 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

6 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

7 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

8 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

9 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

10 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

11 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

12 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

13 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

14 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

15 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

16 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

17 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

18 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

19 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

20 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

21 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

22 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

23 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

24 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

25 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

26 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

27 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

28 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।

29 दिसंबर को भी बैंगलुरु, दिल्ली, एयरपोर्ट्स के 82% से बहुत कम था।





## राशा थडानी की नई शुरुआत

आजाद से डेब्यू करने के बाद राशा अब अपनी दूसरी हिन्दी फिल्म 'लाइक' के लिए तैयार है, जिसमें वह अभय वर्मा के

हैं। आगे राशा ने निर्देशक अजय भूपति का धन्यवाद देते हुए लिखा, "सर, इस अक्सर के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। इस सफर के शुरू करने के लिए बहुत उत्साहित हूं।"

बहरहाल, इस पोस्ट में राशा ने फिल्म का नाम नहीं बताया लेकिन उसकी इस बोल्ड और हॉट लुक को देखकर लोग रहा है कि वह इस बार कुछ अलग करने वाली है। राशा की पहली तेलुगु फिल्म को अजय भूपति निर्देशित करेगे। अजय ने कई लोकप्रिय फिल्में निर्देशित की हैं, जिनमें उनकी पहली फिल्म 'आराक्स 100', 'महा समृद्धम्' और 'मंगलरामर' शामिल हैं। अजय निर्देशक होने की अपेक्षा अच्छे लोखक भी हैं।

राशा ने अभिनेत्री के तौर पर अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'आजाद' से की। उसके अलावा वह अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन की भी डेब्यू फिल्म थी। इस परियट एकशन-ड्रामा फिल्म का निर्देशन अधिकरण करूँ ने किया था। इसमें अजय देवगन और डायना वेटी ने भी अहम भूमिकाएं निभाई थीं। फिल्म इसी साल जनवरी में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

'आजाद' से डेब्यू करने के बाद राशा अब अपनी दूसरी हिन्दी फिल्म 'लाइक' के लिए तैयार है, जिसमें वह अभय वर्मा के साथ स्क्रीन साझी करती नजर आएगी। सौरभ गुप्ता के निर्देशन बनाई जा रही इस फिल्म को एक रोमांटिक एंटरटेनर बताया जा रहा है। रोमांस और रोमांच का मिश्रण देने वाली इस फिल्म के अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होने की संभवता है।

इस फिल्म की घोषणा बाले वीडियो में फीमेल लीड में राशा कहनी सुनी देती है, "मेरे साथ तैयार हो जाइ, कुछ बहुत खास के लिए। इस पर अभय बोलता है कि वह तैयार है, लेकिन उसे यह जानने की जिज्ञासा है कि क्या फैस भी तैयार है ?"

पोस्टर की कैप्शन में लिखा था, वह है धमाल।

वह है शांत। या फिर मामला उल्ट है ? तैयार हो जाइ 'लाइक' के लिए, समर 2026 में थिएटर्स में !

इस फिल्म के बारे में बात करते हुए राशा का कहना था, "फिल्म 'लाइक' की लाइक' दो ऐसे लोगों की कहानी है, जो एक अलग दुनिया में फैस हुए हैं।"

माँ तो लेती है प्रेणा

बता दें कि राशा 1990 के दौर की लोकप्रिय अभिनेत्री रवीना टंडन की बेटी है। उसके बारे में अपनी माँ की पसंदीदा फिल्में और डांप नंबर पूरे गए, तो उनके 'अक्ष' 'मोहरा', 'दूल्हे राजा' और 'अंदाज अपना अपना' के अलावा 'अखियों से गोली मारो' गाने को अपना पसंदीदा बताया। हालांकि, जब पूछा गया कि क्या उसने कभी अपनी माँ की किसी फिल्म में खुद की कल्पना की है, तो उसने जबवादिया कर रही थी। नहीं, ऐसा नहीं कर सकती और मैं कर भी नहीं पाऊंगी।

राशा ने यह भी बताया कि उसकी माँ की उम्र उससे दो साल कम थी, जब उन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू किया। वह समय था जब हीरोइनों के लिए कोई M वैनिटी वैन नहीं होती थी। राशा ने कहा, मेरी माँ ने 'खुद को आज जिस मकाम पर पहुंचाया है, उसके लिए उन्होंने बहुत मेहनत की है।' न केवल एक अभिनेत्री के रूप में उनकी याचा मुझे प्रेरित करती है, बल्कि वह मुझे एक व्यक्ति के रूप में भी प्रेरित करती है। वह हमेशा खुद को जीवनीना से संभालती है, चाहे कोई भी स्थिति हो और सबसे अच्छी बात है कि उन्होंने कभी खुद को बदलने की कोशिश नहीं की।

दबाव को कैसे संगती करती है

राशा बताती है, मेरी माँ के रूप में मेरे पास वास्तव में एक मजबूत और ठारी सपोर्ट सिस्टम है। मैं उनके साथ, उनके प्रति खुली हूं। मैं किसी भी विषय पर उनसे बात कर सकती हूं। सिर्फ उनसे बात कर से ही मुझे बेतर महसूस होता है, खासकर तब, जब मैं बहुत परेशान होती हूं।

सैट पर पहला दिन मुझे याद है कि मैं 102-103 बुखार से अभी- अभी ठीक हुई थी। एक दिन पहले, मुझे एक इंजेक्शन लगा था। मैंने जितनी जलदी हो सकती है कि उन्होंने कोई खुद को बदलने की कोशिश नहीं की।

दबाव को कैसे संगती करती है

राशा बताती है, मेरी माँ के रूप में मेरे पास वास्तव में एक मजबूत और ठारी सपोर्ट सिस्टम है। मैं उनके साथ, उनके प्रति खुली हूं। मैं किसी भी विषय पर उनसे बात कर सकती हूं। सिर्फ उनसे बात कर से ही मुझे बेतर महसूस होता है, खासकर तब, जब मैं बहुत परेशान होती हूं।

सैट पर पहला दिन मुझे याद है कि मैं 102-103 बुखार से अभी- अभी ठीक हुई थी। एक दिन पहले, मुझे एक इंजेक्शन लगा था। मैंने जितनी जलदी हो सकती है कि उन्होंने कोई खुद को बदलने की कोशिश नहीं की।

दबाव को कैसे संगती करती है

राशा बताती है, मेरी माँ के रूप में मेरे पास वास्तव में एक मजबूत और ठारी सपोर्ट सिस्टम है। मैं उनके साथ, उनके प्रति खुली हूं। मैं किसी भी विषय पर उनसे बात कर सकती हूं। सिर्फ उनसे बात कर से ही मुझे बेतर महसूस होता है, खासकर तब, जब मैं बहुत परेशान होती हूं।

सैट पर पहला दिन मुझे याद है कि मैं 102-103 बुखार से अभी- अभी ठीक हुई थी। एक दिन पहले, मुझे एक इंजेक्शन लगा था। मैंने जितनी जलदी हो सकती है कि उन्होंने कोई खुद को बदलने की कोशिश नहीं की।

दबाव को कैसे संगती करती है

राशा बताती है, मेरी माँ के रूप में मेरे पास वास्तव में एक मजबूत और ठारी सपोर्ट सिस्टम है। मैं उनके साथ, उनके प्रति खुली हूं। मैं किसी भी विषय पर उनसे बात कर सकती हूं। सिर्फ उनसे बात कर से ही मुझे बेतर महसूस होता है, खासकर तब, जब मैं बहुत परेशान होती हूं।

सैट पर पहला दिन मुझे याद है कि मैं 102-103 बुखार से अभी- अभी ठीक हुई थी। एक दिन पहले, मुझे एक इंजेक्शन लगा था। मैंने जितनी जलदी हो सकती है कि उन्होंने कोई खुद को बदलने की कोशिश नहीं की।

दबाव को कैसे संगती करती है

राशा बताती है, मेरी माँ के रूप में मेरे पास वास्तव में एक मजबूत और ठारी सपोर्ट सिस्टम है। मैं उनके साथ, उनके प्रति खुली हूं। मैं किसी भी विषय पर उनसे बात कर सकती हूं। सिर्फ उनसे बात कर से ही मुझे बेतर महसूस होता है, खासकर तब, जब मैं बहुत परेशान होती हूं।

सैट पर पहला दिन मुझे याद है कि मैं 102-103 बुखार से अभी- अभी ठीक हुई थी। एक दिन पहले, मुझे एक इंजेक्शन लगा था। मैंने जितनी जलदी हो सकती है कि उन्होंने कोई खुद को बदलने की कोशिश नहीं की।

दबाव को कैसे संगती करती है

राशा बताती है, मेरी माँ के रूप में मेरे पास वास्तव में एक मजबूत और ठारी सपोर्ट सिस्टम है। मैं उनके साथ, उनके प्रति खुली हूं। मैं किसी भी विषय पर उनसे बात कर सकती हूं। सिर्फ उनसे बात कर से ही मुझे बेतर महसूस होता है, खासकर तब, जब मैं बहुत परेशान होती हूं।

सैट पर पहला दिन मुझे याद है कि मैं 102-103 बुखार से अभी- अभी ठीक हुई थी। एक दिन पहले, मुझे एक इंजेक्शन लगा था। मैंने जितनी जलदी हो सकती है कि उन्होंने कोई खुद को बदलने की कोशिश नहीं की।

दबाव को कैसे संगती करती है

राशा बताती है, मेरी माँ के रूप में मेरे पास वास्तव में एक मजबूत और ठारी सपोर्ट सिस्टम है। मैं उनके साथ, उनके प्रति खुली हूं। मैं किसी भी विषय पर उनसे बात कर सकती हूं। सिर्फ उनसे बात कर से ही मुझे बेतर महसूस होता है, खासकर तब, जब मैं बहुत परेशान होती हूं।

सैट पर पहला दिन मुझे याद है कि मैं 102-103 बुखार से अभी- अभी ठीक हुई थी। एक दिन पहले, मुझे एक इंजेक्शन लगा था। मैंने जितनी जलदी हो सकती है कि उन्होंने कोई खुद को बदलने की कोशिश नहीं की।

दबाव को कैसे संगती करती है

राशा बताती है, मेरी माँ के रूप में मेरे पास वास्तव में एक मजबूत और ठारी सपोर्ट सिस्टम है। मैं उनके साथ, उनके प्रति खुली हूं। मैं किसी भी विषय पर उनसे बात कर सकती हूं। सिर्फ उनसे बात कर से ही मुझे बेतर महसूस होता है, खासकर तब, जब मैं बहुत परेशान होती हूं।

सैट पर पहला दिन मुझे याद है कि मैं 102-103 बुखार से अभी- अभी ठीक हुई थी। एक दिन पहले, मुझे एक इंजेक्शन लगा था। मैंने जितनी जलदी हो सकती है कि उन्होंने कोई खुद को बदलने की कोशिश नहीं की।

दबाव को कैसे संगती करती है

राशा बताती है, मेरी माँ के रूप में मेरे पास वास्तव में एक मजबूत और ठारी सपोर्ट सिस्टम है। मैं उनके साथ, उनके प्रति खुली हूं। मैं किसी भी विषय पर उनसे बात कर सकती हूं। सिर्फ उनसे बात कर से ही मुझे बेतर महसूस होता है, खासकर तब, जब मैं बहुत परेशान होती हूं।

सैट पर पहला दिन मुझे याद है कि मैं 102-103 बुखार से अभी- अभी ठीक हुई थी।



## तेल से लेकर खेत तक... मोदी-पुतिन की मुलाकात ने दिया द्रंग और शी को कड़ा संदेश, नहीं चलेगी कोई मनमानी

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत की दो दिवसीय यात्रा कर वापस लौट गए हैं। कल यारी शुक्रवार के उड़ने वाली नदें मेंदों के साथ सज्जा बवान दिया। दोनों देशों के कई ट्रेड डील हुई हैं। दोनों देशों के नेताओं के बीच कई कारोबारी मुद्दों पर भी चर्चा हुई। इसमें रूसी तेल और यूरोपीय प्लाट भी शामिल हैं।



भारत पर रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा सहयोग कम करने का दबाव डाला है। लेकिन द्रंग प्रशासन का हालिया कदम, जिसमें भारतीय नियंत्रण पर 50% टैकिं और रूसी कारोबारी में तेल का दबाव बनाना है। अमेरिका भारत पर रूस के साथ अपने पुराने संबंधों को बदलने का एक प्रयास था।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए इंधन की निर्वाच आपूर्ति बनाए रखेगा। चीन की मनमानी भी नहीं चलेगी।

शिवर, सम्मेलन के दौरान मोदी और पुतिन ने उर्वरक, शिर्पिंग, ऊर्जा सहयोग, प्रवासी और गतिशीलता और लॉजिस्टिक्स को कवर करने वाले कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों के बीच उर्वरक वाली डील सबसे प्रमुख है। रूस की कंपनी उरलकेम इंजीनियरिंग और भारत की फैसलों को बदलने का एक प्रयास था।

प्रतिवंधों के कारण भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल का आयात अब कम होने की उम्मीद है।

भारत के पक्ष में कही यह बात इस तावापूर्ण माहील में, मोदी-पुतिन ने शिख-सम्मेलन एक जावृद्धक और सार्वजनिक जबाब के रूप में देखा गया। मोदी ने भारत के संप्रभु अधिकार पर जोर दिया कि वह अपने अंतरराष्ट्रीय सङ्घोंदियों का निर्धारण स्वयं और बयानों के माध्यम से स्पष्ट निवेशकों और व्यापारियों के बावजूद अपने योगों के कारण रूस के साथ अपने शिरों को सीमित नहीं करेगा।

अमेरिका को दिया संदेश?

शिवर सम्मेलन में हुए समझौते, नेताओं के भाषण और जिन रणनीतिक मुद्दों पर जोर दिया गया, वे बताते हैं कि भारत और रूस पश्चिम, खासकर अमेरिका के दबाव के तावापूर्ण योगों को बढ़ाव देना चाहता है। इसमें इंडिया के नियंत्रण के रोक दिया है। ऐसे में इस शिवर सम्मेलन से यह साफ हो गया कि भारत अपनी रणनीतिक स्वयत्ता से समझौता नहीं करेगा और अमेरिकी योगों के कारण रूस के साथ अपने शिरों को सीमित नहीं करेगा।

अमेरिका को दिया संदेश?

शिवर सम्मेलन में हुए समझौते, नेताओं के भाषण और जिन रणनीतिक मुद्दों पर जोर दिया गया, वे बताते हैं कि भारत और रूस पश्चिम, खासकर अमेरिका के दबाव के तावापूर्ण योगों को बढ़ाव देना चाहता है। इसमें इंडिया के नियंत्रण के रोक दिया है। ऐसे में इस शिवर सम्मेलन से यह साफ हो गया कि भारत अपनी रणनीतिक स्वयत्ता से समझौता नहीं करेगा और अमेरिकी योगों के कारण रूस के साथ अपने शिरों को सीमित नहीं करेगा।

## पतंजलि योगपीठ और रूस सरकार के मध्य ऐतिहासिक एमओयू पर हस्ताक्षर



हैदराबाद, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। पतंजलि समूह तथा रूस सरकार के मध्य दिल्ली में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। जिसमें पतंजलि समूह की ओर से भारत-रूस परिवर्ष के विविध एवं वर्षों के विविध विषयों पर कार्यक्रम और सम्पर्क करने के बाबत जारी करना है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पतंजलि की योगपीठ और रूस सरकार के बीच एक विश्वासी और व्यापक समझौता है।

पत











भांगड़िया कैलाश नारायण  
चंद्रमेन पद प्रत्याशी

## महेश बैंक

ए.पी. महेश को-आॅप. अर्बन बैंक लि.

चुनाव 2025



## फाउण्डर पैनल

आपकी दोष, आपकी बैंक, आपकी टीम

## सामान्य वर्ष निदेशक प्रत्याशी (12 पद)



ANAND SONI

आनंद सोनी

Sl. No.

2



GOPAL LAL BANG

गोपाल लाल बंग

Sl. No.

11



ARUN KUMAR BHANGADIA

अरुण कुमार भांगड़िया

Sl. No.

3

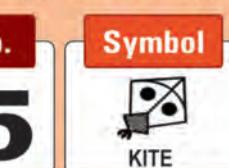


KAILASH DALIYA

कैलाश डालिया

Sl. No.

15

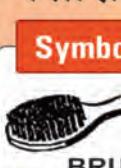


BHAGWAN PANSARI

भगवान पंसारी

Sl. No.

4



NARSING DAS TOSHNIWAL

नरसिंगदास तोष्णीवाल

Sl. No.

22



BHAGDIA KAILASH NARAYAN

भांगड़िया कैलाश नारायण

Sl. No.

5



RAJESH KUMAR MALPANI

राजेश कुमार मालपानी

Sl. No.

25



BIYANI SHYAM SUNDER

बियाणी श्याम सुन्दर

Sl. No.

6



VENU GOPAL TOTLA

वेणु गोपाल तोतला

Sl. No.

29

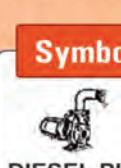


DINESH KUMAR KARWA

दिनेश कुमार करवा

Sl. No.

9



VIKAS SOMANI

विकास सोमानी

Sl. No.

30



## महिला वर्ष निदेशक प्रत्याशी (2 पद)



RAJNI RATHI

रजनी राठी

Sl. No.

3



TARA MALU

तारा मालू

Sl. No.

4



कृपया फाउण्डर पैनल

के सभी 14 उम्मीदवारों को वोट दें।

12 उम्मीदवार (सामान्य वर्ष)

एवं 2 उम्मीदवार (महिला वर्ष)

दोनों के लिए अलग-अलग बैलट है।

चुनाव स्थल :

सरोजिनी नायुदू वनिता महाविद्यालय एवं  
कमला नेहरू पॉलीटेक्निक फॉर्म बूमेन  
नुमाइश मैदान (एक्जिबिशन ग्राउण्ड्स)  
नामपल्ली, हैदराबाद (तेलंगाना)नोट : ऑफिजिनल सरकारी पहचान पत्र (आधार कार्ड/  
चैन कार्ड/पासपोर्ट) वोट डालने के लिए साथ लाना अनिवार्य है।

मतदान केंद्र पर मोबाइल ले जाना भवा है।

**विशेष सूचना :** इस बार चुनाव प्रक्रिया को सरल, सुगम व बिना किसी विलंब के जल्दी मतदान कर पाना संभव हो ऐसी व्यवस्था की गई है। मतदान स्थान पर कुल 68 वूथ और प्रत्येक वूथ में 2 मतदान पेटी रहेगी, प्रत्येक वूथ पर 500 वोट होंगे, यानी एक मतपेटी पर 250 मतदाता (अधिकतम अगर सभी मतदाता मतदान करने आते हैं तो) अपना मत प्रयोग कर पाएंगे। इसके साथ ही कार पार्किंग से 100/200 मीटर की दूरी पर स्थित पोलिंग स्टेशन में वोट देने हेतु जाने के लिए भी वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं व अन्य जिनको भी जरूरत हो उनके लिए इलेक्ट्रिकल कार की व्यवस्था चुनाव आयोग द्वारा की गई है। हमें पूरा विश्वास है कि यह प्रक्रिया बहुत ही सरल और समय बचाने वाली होगी। अतः हम सभी शेयरधारकों से अनुरोध करते हैं कि वे आगे आएं और सकारात्मक रूप से अपने मत का प्रयोग करें, इस बार की इस सरल चुनावी प्रक्रिया में भाग लेकर, फाउण्डर पैनल के सभी 14 प्रत्याशियों को अपना अमूल्य मत देकर, भारी मतों से विजयी बनाएं। किसी भी ग्राम की अधिक जानकारी के लिए कृपया, फाउण्डर पैनल का संग्रहालय हेल्प डेस्क हिपायल बुक स्टाल के बाहर है, कृपया निसंकोच अवश्य संपर्क करें।

हैदराबाद के बाहर रहनेवाले मतदाता- रुद्रमम, करीमनगर, वरंगल, गुंटूर, विजयवाडा, राजमాడ्ही, विशाखापट्टनम, मुवई, भौलाडा, जयपुर - को अपने-अपने शास्त्रा कायांलय में ही वोट करना होगा। | अधिक जानकारी हेल्प डेस्क पर संपर्क करें। ☎ 91600 71600

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tank Bund, Hyderabad-500080 Editor: Dhirendra Pratap Singh \*responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone: 27644999, Fax: 27642512, RNI No. 69340/98, Regd.: No. AP/HIN/00196/01/97/TC.